नामांक Roll No.

No. of Questions – **14**

S-01-Hindi (Sp. Supp.)

No. of Printed Pages – **12**

माध्यमिक विशेष पूरक परीक्षा, 2017

SECONDARY SPECIAL SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2017

हिन्दी

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

हमें विधायक विचार सामने रखने चाहिए । निषेधात्मक विचार लोगों को दुर्बल बना देते हैं । क्या तुमने यह नहीं देखा कि जहाँ माता-पिता पढ़ने-लिखने के लिए अपने बालकों के सदा पीछे लगे रहते हैं और कहा करते हैं कि तुम कभी कुछ सीख नहीं सकते, तुम गधे बने रहोगे – वहाँ बालक यथार्थ में वैसे ही हो जाते हैं । यदि तुम उनसे सहानुभूति-भरी बातें करो और उन्हें उत्साह दो, तो समय पाकर उनकी उन्नति होना निश्चित है । यदि तुम उनके सामने विधायक विचार रखो, तो उनमें मनुष्यत्व आएगा और वे अपने पैरों पर खड़ा होना सीखेंगे । भाषा और साहित्य, काव्य और कला, हर एक विषय में हमें मनुष्यों को उनके विचार और कार्य की भूलें नहीं बतानी चाहिए, वरन् उन्हें वह मार्ग दिखा देना चाहिए, जिससे वे इन बातों को और भी सुचारू रूप से कर सकें । विद्यार्थी की आवश्यकता के अनुसार शिक्षा में परिवर्तन होना चाहिए । अतीत जीवनों ने हमारी प्रवृत्तियों को गढ़ा है, इसलिए विद्यार्थी को उसकी प्रवृत्तियों के अनुसार मार्ग दिखाना चाहिए । जो जहाँ पर है, उसे वहीं से आगे बढ़ाओ । हमने देखा है कि जिनको हम निकम्मा समझते थे, उनको भी श्रीरामकृष्ण देव ने किस प्रकार उत्साहित किया और उनके जीवन का प्रवाह बिलकुल बदल दिया । उन्होंने कभी भी किसी मनुष्य की विशेष प्रवृत्तियों को नष्ट नहीं किया । उन्होंने अत्यन्त पतित मनुष्यों के प्रति भी आशा और उत्साहपूर्ण वचन कहे और उन्हें ऊपर उठा दिया ।

स्वाधीनता ही विकास की पहली शर्त है । यदि कोई यह कहने का दुःसाहस करे कि 'मैं इस नारी या इस बालक के उद्धार का उपाय करूँगा' तो वह गलत है । दूर हट जाओ वे अपनी समस्याओं को स्वयं हल कर लेंगे । तुम सर्वज्ञता का दम्भ भरने वाले होते कौन हो ? तुममें ऐसे दुःसाहस का विचार कैसे आया कि

ईश्वर पर भी तुम्हारा अधिकार है ? क्या तुम नहीं जानते कि प्रत्येक आत्मा ईश्वर का ही स्वरूप है ? हर एक को भगवत्– स्वरूप समझो । तुम केवल सेवा कर सकते हो । प्रभु की इच्छा से तुम उनकी किसी संतान की सेवा कर सको तो सचमुच तुम धन्य हो । तुम धन्य हो कि वह सौभाग्य तुम्हें प्राप्त हुआ और दूसरे उससे वंचित रहे । उस कार्य को पूजा की भावना से करो ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए **1**

(ख) निषेधात्मक विचारों से बालकों के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? **2**

(ग) शिक्षा में कैसा परिवर्तन होना चाहिए ? **2**

(घ) मनुष्य धन्य कब बन जाता है ? **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

और सकल अंगनि तें ऊधौ अँखियाँ अधिक दुखारी ।

अतिहिं पिरातिं सिरातिं न कबहूँ बहुत जतन करि हारी ।

मग जोवत पलकौ नहिं लावतिं बिरह बिकल भई भारी ।

भरि गइ बिरह बयारि दरस बिनु निसि दिन रहतिं उघारी ।

ते अलि अब ये ग्यान सलाकैं क्यों सहि सकतिं तिहारी ।

सूर सु अंजन आँजि रूप रस आरति हरहु हमारी ।

ऊधौ इतनी कहियौ बात ।

मदन गुपाल बिना या ब्रज में होन लगे उतपात ।

तृनाबर्त बक बकी अघासुर धेनुक फिरि फिरि जात ।

ब्योम प्रलंब कंस केसी इत करत जिअन की घात ।

काली काल रूप दिखियत है जमुना जलहिं अन्हात ।

बरुन फाँस फांस्यों चाहत है सुनियत अति मुरझात ।

इंद्र आपने परिहँस कारन बार बार अनखात ।

गोपी गाइ गोप गोसुत सब थर-थर काँपत गात ।

अंचल फारति जननि जसोदा पाग लिए कर तात ।

लागौ बेगि गुहारि सूर प्रभु गोकुल बैरिन घात ।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) सभी अंगों में अधिक दुःखी कौन सा अंग है ? **2**

(ग) कृष्ण की अनुपस्थिति में ब्रज में क्या-क्या होने लगा ? **2**

(घ) थर-थर कौन काँपने लगा और क्यों ? **2**

अथवा

पतियाँ मैं कैसे लिखूँ, लिख्यौ री न जाय ।

कलम धरत मेरौ कर कंपत है, नैन रहें झड़ लाय

बात कहूँ तो कहत न आवै, जीव रह्यो डर राय

बिपत हमारी देख तुम चाले, कहियो हरिजी सूँ जाय ।

मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, चरण ही कँवल रखाय

मैं बिरहिन बैठी जागूँ, जगत सब सौवे, री आली ।

बिरहिन बैठी रंगमहल में, मोतियन की लड़ पोवै ।

इक विरहिणि हम ऐसी देखी, अँसुवन की माला पोवै ।

तारा गिन-गिन रैन बिहानी, सुख की घड़ी कब आवै ।

मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, आनंद मंगल गावन की ।।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) मीरा पत्र क्यों नहीं लिख पा रही है ? **2**

(ग) तारा गिन-गिन रात कौन बिता रही है और क्यों ? **2**

(घ) मीरा को सुख की प्राप्ति कब होगी ? **2**

खण्ड – ख

3. दिए गए बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए : **9**

(क) सामाजिक सद्भावना में त्योहारों का योगदान

(1) सामाजिक सद्भावना का अर्थ

(2) हमारे देश में मनाये जाने वाले त्योहार

(3) विविध धर्मों एवं जातियों में मेल-मिलाप

(4) त्योहारों से जीवन में पड़ने वाला प्रभाव

(5) उपसंहार

(ख) 'स्वच्छ भारत' में विद्यार्थियों का योगदान

(1) स्वच्छता का अर्थ

(2) संपूर्ण भारत स्वच्छ कैसे हो ?

(3) विद्यार्थियों का योगदान

(4) स्वच्छता क्यों आवश्यक है ?

(5) उपसंहार

(ग) राजस्थान के धार्मिक मेले

(1) मेले का अर्थ

(2) राजस्थान में कहाँ-कहाँ एवं कब मेले भरते हैं ?

(3) प्रसिद्ध मेलों का वर्णन

(4) मानव जीवन में मेलों का महत्त्व

(5) उपसंहार

(घ) मेरे जीवन में शिक्षक का महत्त्व

(1) गुरु शिष्य का सम्बन्ध

(2) जीवन पर गुरु का प्रभाव

(3) शिक्षक जीवन का निर्माता

(4) शिक्षक द्वारा दी गई विविध प्रकार की शिक्षा

(5) उपसंहार

4. स्वयं को 'मधेपुरा' निवासी हिमांशी मानते हुए आपकी सहेली गायत्री को एक पत्र लिखिए जिसमें आपके विद्यालय में मनाए गए स्वच्छता सप्ताह का वर्णन हो । **5**

अथवा

स्वयं को 'लक्ष्यपुरा' निवासी मधुसूदन मानकर अपने क्षेत्र के विधायक को एक पत्र लिखिए जिसमें विद्यालय को क्रमोन्नत करने का निवेदन किया गया हो । **5**

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(क) 'मधु धीरे-धीरे लिखती है ।' वाक्य में क्रिया-विशेषण लिखिए । **2**

(ख) 'तृप्ति और नव्या भोजन पका रही हैं ।' वाक्य में रेखांकित पदों का पद परिचय लिखिए । कोई दो-दो बिन्दु । **2**

(ग) संयुक्त वाक्य की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए । **2**

(घ) (i) 'बीड़ा उठाना' मुहावरे का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । **1**

(ii) 'अंधा पीसे कुत्ता खाय' लोकोक्ति का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । **1**

(ङ) यमक एवं श्लेष अलंकार का उदाहरण देकर अन्तर स्पष्ट कीजिए । **2**

खण्ड – ग

6. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है ।

(क) मुख्य गायक के जीवन में संगतकार का क्या महत्त्व है ? **2**

(ख) काव्यांश में संगतकार किस तरह के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है ? **2**

अथवा

छाया मत छूना

मन, होगा दुःख दूना

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है ।

जो है यथार्थ कठिन उनका तू कर पूजन –

छाया मत छूना

मन, होगा दुःख दूना ।

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,

देह सुखी हो पर मन के दुःख का अंत नहीं ।

दुःख है न चाँद खिला शरद रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस बसन्त जाने पर ?

जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना

मन, होगा दुःख दूना ।

(क) "प्रभुता का शरण-बिम्ब केवल मृगतृष्णा है ।" काव्य पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । **2**

(ख) उपलब्धियाँ मनुष्य को कब सुखदायी नहीं लगती ? **2**

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : (उत्तर सीमा प्रत्येक प्रश्न 40 शब्द)

(क) गोपियों ने उद्धव को कृष्ण के द्वारा किस राजधर्म का पालन करने के लिए कहा ? **2**

(ख) "भानु बंस राकेश कलंकू" काव्य पंक्ति किसके लिए किसने कही ? **2**

(ग) चाँदनी रात की कान्ति को दर्शाने के लिए कवि ने क्या उदाहरण दिया है और क्यों ? **2**

(घ) 'आत्मकथ्य' कविता में कवि जयशंकर प्रसाद की विनम्रता को स्पष्ट कीजिए । **2**

8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा । बार-बार मोहि लागि बोलावा ।।
सुनत लखन के बचन कठोरा । परसु सुधारि धरेउ कर घोरा ।।
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू । कटुबादी बालकु बधजोगू ।।
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा । अब यहु मरनिहार भा साँचा ।।
कौसिक कहा छमिअ अपराधू । बाल दोष गुन-गनहिं न साधू ।।
खर कुठार मैं अकरुन कोही । आगें अपराधी गुरुद्रोही ।।
उतर देत छोड़उँ बिनु मारें । केवल कौसिक सील तुम्हारें ।।
न त एहि काटि कुठार कठोरें । गुरहि उरिन होतेउँ श्रम थोरें ।।

(क) उपर्युक्त काव्यांश में किसके कठोर वचन सुनकर किसने प्रतिक्रिया की ? **1**

(ख) काव्यांश में गुरुद्रोही किसे कहा गया है ? **1**

(ग) 'बधजोगू' कौन है, किसने कहा ? **1**

(घ) रेखांकित पद का आशय स्पष्ट कीजिए । **1**

अथवा

डार द्रुम पलना बिछौना नव पल्लव के,
सुमन झिंगूला सौहे तन छबि भारी दै ।
पवन झूलावै, केकी-कीर बतरावैं 'देव'
कोकिल हलावै-हुलसावै कर तारी दे ।।
पूरित पराग सों उतारो करै राई नोन,
कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै ।
मदन महीप जू को बालक बसंत ताहि,
प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै ।।

(क) काव्यांश में कवि ने किस ऋतु का वर्णन किया है ? **1**

(ख) काव्यांश में ऋतु को किस रूप में दिखाया है ? **1**

(ग) प्रातःकाल कौन किसको जगाता है ? **1**

(घ) रेखांकित काव्य पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । **1**

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

आज वह नहीं है । दिल्ली में बीमार रहे और पता नहीं चला । बाँहें खोलकर इस बार उन्होंने गले नहीं लगाया । जब देखा तब वे बाँहें दोनों हाथों की सूजी उँगलियों को उलझाए ताबूत में जिस्म पर पड़ी थी । जो शान्ति बरसती थी वह चेहरे पर थिर थी । तरलता जम गई थी । वह 18 अगस्त, 1982 की सुबह दस बजे का समय था । दिल्ली में कश्मीरी गेट के निकलसन कब्रगाह में उनका ताबूत एक छोटी-सी नीली गाड़ी में से उतारा गया । कुछ पादरी रघुवंश जी का बेटा और उनके परिजन राजेश्वर सिंह उसे उतार रहे थे । फिर उसे उठाकर एक लंबी सँकरी, उदास पेड़ों की घनी छाँह वाली सड़क से कब्रगाह के आखिरी छोर तक ले जाया गया जहाँ धरती की गोद में सुलाने के लिए कब्र आवाक् मुँह खोले लेटी थी । ऊपर करील की घनी छाँह थी और चारों ओर कब्रें और तेज धूप के वृत्त ।

(क) फ़ादर बुल्के ने लेखक को गले क्यों नहीं लगाया ? **2**

(ख) फादर के ताबूत को कहाँ उतारा गया ? **2**

अथवा

'शिक्षा' बहुत व्यापक शब्द है । उसमें सीखने योग्य अनेक विषयों का समावेश हो सकता है । पढ़ना-लिखना भी उसी के अन्तर्गत है । इस देश की वर्तमान शिक्षा-प्रणाली अच्छी नहीं । इस कारण यदि कोई स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थकारी समझे तो उसे उस प्रणाली का संशोधन करना या कराना चाहिए, खुद पढ़ने-लिखने को दोष न देना चाहिए । लड़कों ही की शिक्षा-प्रणाली कौन-सी बड़ी अच्छी है । प्रणाली बुरी होने के कारण क्या किसी ने यह राय दी है कि सारे स्कूल और कॉलिज बंद कर दिए जाएँ ? आप खुशी से लड़कियों और स्त्रियों की शिक्षा-प्रणाली का संशोधन कीजिए । उन्हें क्या पढ़ाना चाहिए, कितना पढ़ाना चाहिए, किस तरह की शिक्षा देना चाहिए, कहाँ देना चाहिए, विचार कीजिए ।

(क) 'शिक्षा' शब्द की व्यापकता को समझाइए । **2**

(ख) वर्तमान शिक्षा-प्रणाली में क्या संशोधन आवश्यक हैं ? **2**

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (प्रत्येक प्रश्न की उत्तर सीमा **40** शब्द)

(क) "बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ होम देने वालों पर हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है ।" प्रस्तुत वाक्य किसने, क्यों कहा ? **2**

(ख) "बालगोबिन भगत" पाठ में "ग्रामीण जीवन की सजीव झाँकी देखने को मिलती है ।" आप कैसे कह सकते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । **2**

(ग) "लखनवी अंदाज़" पाठ "वास्तविकता से बेखबर एक बनावटी जीवन शैली पर आधारित है ।" कैसे ? स्पष्ट कीजिए । **2**

(घ) "एक कहानी यह भी" पाठ के आधार पर बताइए कि स्वतंत्रता आन्दोलन का प्रभाव विद्यार्थियों पर भी था । **2**

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (उत्तर सीमा **40** शब्द)

(क) "प्राचीन काल में स्त्रियों के अध्ययन-अध्यापन की समुचित व्यवस्था थी ।" उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । **2**

(ख) मांगलिक विधि-विधानों में किस-किस वाद्य का प्रयोग करते हैं और क्यों ? जानकारी दीजिए । **2**

खण्ड – घ

12. 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी "औपनिवेशक दौर की मानसिकता और विदेशी आकर्षण पर गहरी चोट है ।" कैसे ? स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

अथवा

'गैंगटॉक' शहर के प्राकृतिक सौन्दर्य को अपने शब्दों में लिखिए । **4**

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (प्रत्येक प्रश्न की उत्तर सीमा **40** शब्द)

(क) "लेखक को प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति अधिक प्रेरित करती है", कैसे ? स्पष्ट कीजिए । **2**

(ख) "एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा" पाठ के आधार पर स्वतंत्रता आंदोलन के प्रभाव को समझाइए । **2**

(ग) पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के सामाजिक जीवन एवं चरित्र को पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए । **2**

(घ) "माता का आँचल" पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि दुःख या पीड़ा में माता ही अधिक सहायक होती है । **2**

14. (क) चौराहा पार करते समय हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? **2**

(ख) सड़क पर दुर्घटना से बचाव के लिए वाहन चालक को क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए ? **2**

———————